बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन,
पेण्डारी, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

तसर रेशमकीट बीज पत्रिका

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज पत्रिका
(खण्ड 8 अंक 01 व 02)
(संयुक्तांक)

प्रधान संपादक
डॉ. ए. वेणुगोपाल
निदेशक

प्रबंध संपादक
डॉ. एन. बी. चौधरी
वैज्ञानिक – डी

संपादक
डॉ. एम. एस. राठौड़
वैज्ञानिक – डी

संकलन एवं संपादन
श्री पी. एस. लोधी
वरिष्ठ अनुवादक (हिं)

तकनीकी सहयोग
डॉ. एच. एस. नदाफ
वैज्ञानिक – सी
डॉ. चन्द्रशेखरैय्या
वैज्ञानिक -सी
डॉ. विशाका जी.वी.
वैज्ञानिक – सी
श्री के. के. मोदक
वरिष्ठ तकनीकी सहायक
श्री उदय पोहकार
प्रक्षेत्र सहायक

मुद्रण सहयोग
श्री दीपक मोहिते, अधीक्षक (प्रशासन)

संपर्क
निदेशक
बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन,
केन्द्रीय रेशम बोर्ड,
वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार,
पो. भरनी, वाया – गनियारी,
जिला-बिलासपुर - 495112

निदेशक की कलम से .....

मुझे यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बिलासपुर राजभाषा को समर्पित तसर रेशमकीट बीज पत्रिका के खण्ड 08 अंक 01 व 02 का संयुक्तांक प्रकाशित करने जा रहा है। यह वर्ष संगठन कार्यालय के लिए राजभाषा कार्यान्वयन की दृष्टि से उपलब्धियों भरा रहा है, क्योंकि संगठन कार्यालय को राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021-22 हेतु प्रथम क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार तथा वर्ष 2020-21 के लिए द्वितीय क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार प्रदान किया गया है। साथ ही अधीनस्थ केन्द्र बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, पाली को वर्ष 2020-21 हेतु प्रथम क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार प्रदान किया गया है।

यह संगठन कार्यालय वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार का बुनियादी तसर बीज उत्पादन संबंधी अग्रणी संस्थान है। संगठन कार्यालय के विभिन्न राज्यों में फैले 17 बु.बी.प्र.व प्र.कें. एवं 01 के.त.रे.बी.के. के नेटवर्क के माध्यम से राज्य रेशम विभागों, पणधारियों एवं रेशम उत्पादक कृषकों की तसर रेशमकीट बीज उत्पादन संबंधी मांग एवं आपूर्ति को ध्यान में रखकर गुणवत्ता एवं मात्रात्मक प्राचलों के अनुरूप तसर बीज आपूर्ति की जाती है तसर रेशमकीट बीज पत्रिका के प्रकाशन से राजभाषा नीतियों के कार्यान्वयन एवं इसके अधीनस्थ केंद्रों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, तसर रेशम उत्पादक समुदायों एवं कृषकों से हिंदी में संवाद स्थापित करने में अपनी उपयोगिता साबित की है। पत्रिका के इस अंक में समाहित पिछली दो छमाही में संगठन कार्यालय एवं इसकी अधीनस्थ केंद्रों द्वारा किए गए मुख्य – मुख्य कार्यों को आपसे साझा करना चाहता हूँ।

प्रकाशनाधीन अवधि में संगठन कार्यालय द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी कार्यक्रमों के अंतर्गत 04 हिन्दी कार्यशालाओं, 04 राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों, 02 नराकास, बिलासपुर की बैठकों में सहभागिता, बोर्ड की 04 बैठकों में वीडीयों क्रान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सहभागिता, हिंदी पखवाड़े एवं हिंदी दिवस का आयोजन, अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन सूरत में सहभागिता, विश्व हिंदी दिवस का आयोजन, राष्ट्रीय राजभाषा तकनीकी सेमीनार में सहभागिता, अधीनस्थ केन्द्रों की अर्धवार्षिक समीक्षा बैठक का आयोजन, तसर रेशमकीट बीज कार्य योजना की बैठक, जियो टैगिंग पर प्रशिक्षण, तकनीकी अभिमुखीकरण कार्यक्रम, कौशल प्रशिक्षण एवं उद्यमशीलता विकास कार्यक्रम, सक्षमता वृद्धि प्रशिक्षण एवं कौशल विकास प्रशिक्षण, सतर्कता जागरूकता, संविधान दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस, रेशम दिवस, तसर रेशम कृषि मेला, गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस आदि का आयोजन किया गया साथ ही सदस्य सचिव महोदय के संगठन कार्यालय के दौरे का भी सफलता पूर्वक आयोजन किया गया। रेशमकीट बीज उत्पादन संबंधी तकनीकी कार्यक्रमों के अंतर्गत संगठन कार्यालय एवं इसकी अधीनस्थ इकाइयों ने उक्त अवधि में लक्ष्य वार गुणवत्ता युक्त तसर बीजों का उत्पादन एवं आपूर्ति के लिए आवश्यक प्रयास किए।

तसर रेशमकीट बीज पत्रिका का यह संयुक्तांक राजभाषा कार्यान्वयन एवं तसर उत्पादन संबंधी तकनीकी गतिविधियों को तसर समुदाय तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मेरा आग्रह है कि इस पत्रिका को और अधिक उपयोगी एवं सृजनात्मक बनाने हेतु आप अपने बहुमूल्य सुझावों से अवश्य अवगत कराएंगे।

मैं, पत्रिका के संपादक मंडल एवं विशेषकर हिन्दी अनुभाग द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना करता हूँ। तथा सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इसके प्रकाशन में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष सहयोग देने हेतु आभार व्यक्त करता हूँ। शुभकामनाओं सहित।

डॉ. ए. वेणुगोपाल,
निदेशक, बु.त.रे.बी.सं., बिलासपुर

राजभाषा कार्यान्वयन

राजभाषा क्षेत्रीय पुरस्कारः

दिनांक 03-03-2023 को राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा रायपुर, छत्तीसगढ़ में मध्य एवं पश्चिम क्षेत्रों के लिए क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया साथ ही उक्त अवसर पर केंद्र सरकार के कार्यालयों द्वारा वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 में राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में माननीय गृह राज्य मंत्री श्री अजय कुमार मिश्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बुनियादी तसर रेशम कीट बीज संगठन बिलासपुर को वर्ष 2021-22 के लिए प्रथम एवं वर्ष 2020-21 के लिए द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ तथा संगठन कार्यालय की अधीनस्थ इकाई बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, पाली को वर्ष 2020-21 हेतु प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। उक्त अवसर पर संगठन कार्यालय के निदेशक डॉ. ए. वेणुगोपाल ने इस उपलब्धि के लिए समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शुभकामनाएं दी एवं उन्होंने बताया की संगठन कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन का कार्य अच्छी तरह से किया जा रहा है तथा राजभाषा विभाग द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में राजभाषा नीतियों का सफ़लता पूर्वक कार्यान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने आगे भी सभी अधिकारीयों एवं कर्मचारियों से इसी तरह राजभाषा कार्यान्वयन में अपना योगदान देने हेतु आग्रह किया। संगठन कर्यालय की ओर से डॉ. ए. वेणुगोपाल,निदेशक ने राजभाषा शील्ड एवं श्री पी. एस. लोधी, वरिष्ठ अनुवादक (हिंदी) ने प्रमाण-पत्र प्राप्त किया तथा डॉ. एम. एस. राठौड़, वैज्ञानिक डी ने बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केंद्र, पाली की ओर से राजभाषा शील्ड एवं श्री रमेश पटेल, वरिष्ठ तकनीकी सहायक ने प्रमाण प्त्र प्राप्त किया।

1. हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन :

बु.त.रे.बी.सं., बिलासपुर में प्रकाशनाधीन अवधि में कुल 04 कार्यशालाएं दिनांक 20.06.2022, 06.09.2022 एवं 09.12.2022 एवं 23.03.2023 को क्रमशः डॉ. एम. एस. राठौड़, वैज्ञानिक –डी, डॉ. एन. बी. चौधरी, वैज्ञानिक - डी एवं डॉ. ए. वेणुगोपाल, निदेशक की अध्यक्षता में आयोजित की गईं जिसमें क्रमशः श्री अर्पण कुमार, मुख्य प्रबंधक, राजभाषा, भारतीय स्टेट बैंक, श्री विक्रम सिंह, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी एवं सचिव, नराकास, बिलासपुर एवं डॉ. उषा तिवारी, आचार्य, शासकीय ई. रा. स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित होकर राजभाषा प्रशिक्षण प्रदान किया।

2. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक :

संगठन कार्यालय में राजभाषा नीतियों के सफल कार्यान्वयन हेतु दिनांक 29-06-2022, 27-09-2022, 23-12-2022 एवं 22.03.2023 को क्रमशः डॉ. एम. एस. राठौड़, वैज्ञानिक –डी एवं डॉ. ए. वेणुगोपाल, निदेशक की अध्यक्षता में बुतरेबीसं, बिलासपुर की 89वीं, 90वीं, 91वीं एवं 92वीं राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें आयोजित की गयी। उक्त बैठकों में संगठन कार्यालय में राजभाषा नीतियों के कार्यान्वयन पर चर्चा की गयी तथा राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित राजभाषा संबंधी लक्ष्यों की पूर्ति हेतु आवश्यक कदम उठाए गए।

3. नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों में सहभागिता :

दिनांक 30-08-2022 एवं 30.01.2023 को क्रमशः श्री विजय प्रताप सिंह, अपर महाप्रबंधक, द.पू.म.रे., बिलासपुर एवं श्री अजय सिंह, वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक एवं सतर्कता अधिकारी, द.पू.म.रे., बिलासपुर की अध्यक्षता में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर की बैठकों का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में संगठन कार्यालय की ओर से क्रमशः डॉ. एन. बी. चौधरी, वैज्ञानिक – डी एवं डॉ. ए. वेणुगोपाल, निदेशक तथा श्री पी. एस. लोधी, वरिष्ठ अनुवादक (हिं) ने भाग लिया तथा संगठन कार्यालय से संबंधित मदों पर अनुवर्ती कार्रवाई की।

4. केन्द्रीय रेशम बोर्ड की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों में सहभागिता :

दिनांक 24-06-2022, 20-09-22, 21-12-2022 एवं 27.02.2023 को वीडीयों कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से क्रमशः 143वीं, 144 वीं, 145वीं एवं 146वीं बैठक में संगठन कार्यालय ने भाग लिया एवं वांछित बिन्दुओं पर अनुवर्ती कार्रवाई सुनिश्चित की।

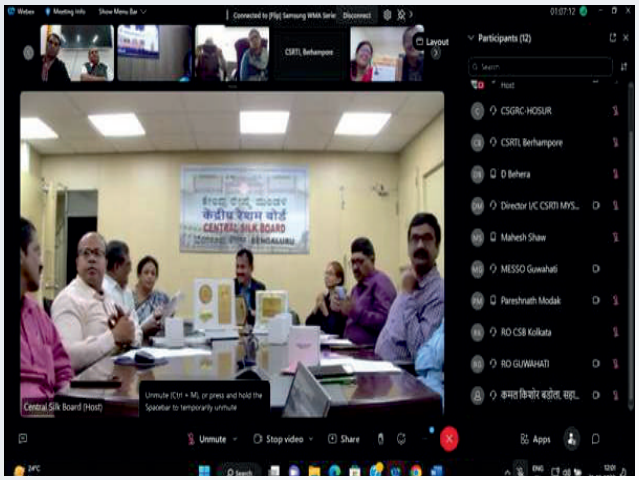

5. राजभाषा विभाग द्वारा सूरत गुजरात में आयोजित हिंदी दिवस 2022 एवं अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में सहभागिता :

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 14-15 सितंबर, 2022 को सूरत (गुजरात) में हिंदी दिवस एवं द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन बिलासपुर से श्री पी. एस. लोधी, वरिष्ठ अनुवादक (हिन्दी) ने भाग लिया

6. हिंदी पखवाड़े का आयोजन :

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन कार्यालय में दिनांक 14-09-2022 से 30-09-2022 तक डॉ. एन. बी. चौधरी, वैज्ञानिक – डी की अध्यक्षता में हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर डॉ. ऊषा तिवारी, विभागाध्यक्ष, शासकीय ई. रा. महाविद्यालय, बिलासपुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति रहीं। कार्यक्रम के प्रारंभ में श्री पी. एस. लोधी, वरिष्ठ अनुवादक (हिं) ने समापन समारोह कार्यक्रम के बारे में पावर प्वाइंट के माध्यम से प्रस्तुति देते हुए बताया कि पखवाड़े के दौरान दिनांक 22-09-2022 को निबंध लेखन प्रतियोगिता, दिनांक 23-09-2022 को टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता तथा दिनांक 26-09-2022 को कंप्यूटर पर हिंदी यूनिकोड टंकण प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।

समापन दिवस के अवसर पर डॉ. एन. बी. चौधरी, वैज्ञानिक – डी ने अध्यक्षीय उद्बोधन में सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों से आग्रह किया कि हमें घर पर अपनी मातृभाषा में तथा कार्यालय में अपनी राजभाषा में संवाद करना चाहिए ताकि हमारी संस्कृति एवं देश समृद्ध रहें। उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को बधाई दी तथा आगे भी राजभाषा के क्षेत्र में उत्साह पूर्वक कार्य करने हेतु सलाह दी। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. ऊषा तिवारी, विभागाध्यक्ष हिंदी ने उक्त अवसर पर संबोधित करते हुए बताया कि हिंदी आज वैश्विक भाषा बन चुकी है। हिंदी सभी भाषाओं की सहयोगी है तथा हिंदी से किसी भी भाषा का विरोध नहीं है। उक्त अवसर पर उन्होंने स्वरचित कविता भी सुनायी तथा संगठन कार्यालय में चल रहे हिन्दी कार्यान्वयन कार्यों के लिए हिंदी अनुभाग की प्रशंसा की। कार्यक्रम के अंत में हिन्दी प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार राशि अध्यक्ष महोदय एवं मुख्य अतिथि के कर कमलों से प्रदान की गयी।

7. विश्व हिंदी दिवस का आयोजन :

संगठन कार्यालय में दिनांक 10-01-2023 को डॉ. एम. एस. राठौड़, वैज्ञानिक – डी की अध्यक्षता में विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर श्री विक्रम सिंह, सचिव, नराकास, बिलासपुर मुख्य अतिथि के रूप में ऑन लाइन माध्यम से उपस्थित रहें तथा उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित किया। इसके बाद 'विश्व पटल पर हिन्दी' विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई जिसमें संगठन कार्यालय, बुबीप्रवप्रके, बिलासपुर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया तथा अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए। साथ ही नराकास, बिलासपुर द्वारा आयोजित विश्व हिंदी दिवस में संगठन कार्यालय से श्री पी. एस. लोधी, वरिष्ठ अनुवादक (हिंदी) ने वक्ता के रूप में भाग लिया एवं गूगल वॉइस टाइपिंग एवं स्पीच टेक्सटर हिंदी सॉफ्टवेयर के प्रयोग पर व्याख्यान दिया।

8. राष्ट्रीय राजभाषा तकनीकी सेमीनार में सहभागिता :

केन्द्रीय तसर रेशमउत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान रांची द्वारा दिनांक 28-01-2023 को समग्र रेशम उत्पादन : चुनौतियां एवं भावी रणनीति विषय पर आयोजित राष्ट्रीय राजभाषा तकनीकी सेमीनार में संगठन कार्यालय से डॉ. ए. वेणुगोपाल, निदेशक, डॉ. एम. एस. राठौड़, वैज्ञानिक-डी एवं श्री पी. एस. लोधी, वरिष्ठ अनुवादक (हिंदी) ने भाग लिया। उक्त सेमीनार में संगठन कार्यालय एवं इसके अधीनस्थ केन्द्रों से कुल 14 हिंदी शोध पत्रों /सारांशों को प्रस्तुत किया गया। जिसमें संगठन कार्यालय के श्री पी. एस. लोधी, वरिष्ठ अनुवादक (हिं) को राजभाषा सत्र में शोध पत्र प्रस्तुति हेतु प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

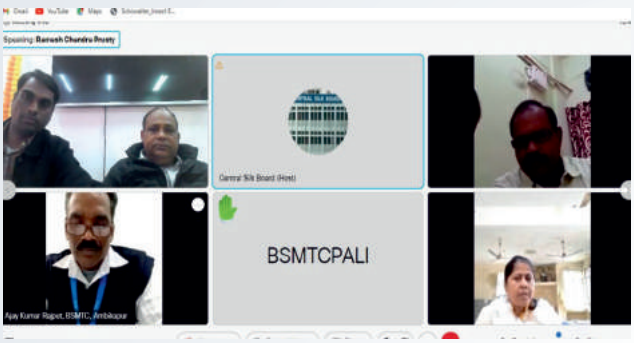

9. केन्द्रीय कार्यालय द्वारा अधीनस्थ केन्द्रों का ऑन लाइन राजभाषा निरीक्षण :

दिनांक 20-12-2022 को केन्द्रीय कार्यालय, बेंगलुरू द्वारा संगठन कार्यालय की बु.बी.प्र.वप्र.के., अंबिकापुर, बुबीप्रवप्रके, बिलासपुर, बुबीप्रवप्रके, केन्दुझर, बुबीप्रवप्रके, नवरंगपुर, केतरेकीबीके, कोटा, बुबीप्रवप्रके, बालाघाट, बुबीप्रवप्रके, खरसवां का ई-राजभाषा निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण के अवसर पर संगठन कार्यालय से डॉ. ए. वेणुगोपाल, निदेशक महोदय एवं श्री पी. एस. लोधी, वरिष्ठ अनुवादक (हिं) ने भाग लिया।

10. अर्धवार्षिक राजभाषा समीक्षा बैठक का आयोजन :

दिनांक 13-12-2022 को डॉ. ए. वेणुगोपाल, निदेशक महोदय की अध्यक्षता में संगठन कार्यालय की अधीनस्थ इकाईयों की अर्धवार्षिक हिंदी समीक्षा बैठक बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, चिन्नूर में आयोजित की गयी। जिसमें पिछली दो तिमाहियों (अप्रैल-जून एवं जुलाई-सितम्बर, 2022) की तिमाही प्रगति रिपोर्टों की समीक्षा की गई तथा निदेशक महोदय द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन हेतु आवश्यक सुझाव दिए।

रिपोर्ट : श्री पी. एस. लोधी, वरिष्ठ अनुवादक (हिं)

बुतरेबीसं, बिलासपुर की अप्रैल, 2022 से मार्च, 2023 तक की मुख्य उपलब्धियां

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन (बुतरेबीसं) 09 तसर उत्पादक राज्यों में स्थित 17 बुनियादी बीज प्रगुणन व प्रशिक्षण केन्द्रों (बुबीप्रवप्रके) एवं एक केन्द्रीय तसर रेशमकीट बीज केन्द्र (केतरेबीके), कोटा को तसर रेशमकीट बीज में सहयोग हेतु निरन्तर कार्यरत है। प्रकाशनाधीन अवधि में संगठन कार्यालय की मुख्य तकनीकी उपलब्धियां निम्नानुसार है।

- इस दौरान 105.55 लाख बीज कोसे की प्रक्रिया की गई एवं 25.75 लाख रोग मुक्त चकत्ते (बुनियादी बीजः 12.39 लाख एवं नाभिकीय बीज 13.36 लाख) का उत्पादन किया गया।
- दस तसर उत्पादक राज्यों एवं इकाइयों में कुल 24.96 लाख रो.मु.च. की आपूर्ति की गई है।
- अभिग्रहित कीटपालकों एवं विभागीय कीटपालन के तहत 3.80 लाख रो.मु.च. (द्विप्रज 261910, बीडीआर 15240 एवं त्रिप्रज 103650) का कीटपालन किया गया।
- तसर रेशम कृषकों में सामान्य जागरूकता हेतु 14 जागरूकता कार्यक्रम, 04 रेडियो वार्ता, 01 स्टेप (STEP) कार्यक्रम आयोजित किये गए। बुतरेबीसं द्वारा बिलासपुर की अधीनस्थ इकाइयों द्वारा ग्रामीण अभिग्रहित कृषकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।
- रोग मुक्त चकत्तों एवं फोकी कोसों की बिक्री से वित्तीय वर्ष 2022-23 में 414.79 लाख के राजस्व की प्राप्ति हुई।

रिपोर्ट : डॉ. चन्द्रशेखरैय्या , वैज्ञानिक - सी, बुतरेबीसं, बिलासपुर

तसर रेशमकीट बीज कार्य योजना बैठक का आयोजन :

दिनांक 06-12-2022 को डॉ. ए. वेणुगोपाल, निदेशक महोदय की अध्यक्षता में तसर रेशमकीट बीज कार्ययोजना की बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. क. सत्यनारायण, निदेशक के.त.रे.उ.अनु.व प्र. सं., रांची, संयुक्त संचालक, राज्य रेशम विभाग, छत्तीसगढ़, डॉ. रहमतउल्लाह, वैज्ञानिक-डी , केन्द्रीय कार्यालय, श्री उमापति, सहायक सचिव, केन्द्रीय कार्यालय, श्री राममोहन प्रामाणिक, क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता, श्री दशरथी बेहरा, सहायक सचिव, क्षेत्रीय कार्यालय, दिल्ली एवं विभिन्न राज्यों के राज्य रेशम विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया तथा तसर रेशमकीट संबंधी मांग एवं आपूर्ति की समीक्षा की गई।

कौशल प्रशिक्षण एवं उद्यमिता विकास कार्यक्रम :

संगठन कार्यालय में डॉ. ए. वेणुगोपाल, निदेशक की अध्यक्षता में दिनांक 01-02-2023 को कौशल प्रशिक्षण एवं उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में डॉ. अजय जाडे, हेल्थ मेंटर, अपोलो अस्पताल, बिलासपुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने दैनिक कार्यालयी समय में स्वस्थ्य एवं तनाव मुक्त जीवन शैली अपनाने हेतु आवश्यक सुझाव दिए।

रिपोर्टः डॉ. विशाका जीवी, वैज्ञानिक- सी

जियो टैगिंग पर प्रशिक्षण :

संगठन कार्यालय में दिनांक 07-12-2022 को डॉ. ए. वेणुगोपाल निदेशक की अध्यक्षता में राज्य रेशम विभाग के अधिकारियों के लिए परिसंपत्तियों की जियो - टैगिंग हेतु सिल्क पोर्टल एवं मोबाइल एप्लिकेशन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त अवसर पर विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. वी. के. रहमतउल्लाह, वैज्ञानिक – डी, केन्द्रीय कार्यालय एवं डॉ. चन्दन गोस्वामी, वैज्ञानिक - एसई, एनईएसएसी, उपस्थित रहे तथा सभी प्रशिक्षणर्थियों को उक्त सॉफ्टवेयर के बारे में प्रशिक्षण दिया। उक्त अवसर पर निदेशक महोदय ने कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि केन्द्रीय रेशम बोर्ड की सभी परिसंपत्तियों की जियो टैगिंग का कार्य किया जा रहा है इस संबंध में यह प्रशिक्षण महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

शहीद दिवस का आयोजन :

संगठन कार्यालय में दिनांक 30-01-2023 को डॉ. ए. वेणुगोपाल निदेशक की अध्यक्षता में शहीद दिवस का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने शहीदों की याद में दो मिनट का मौन रखकर उनके बलिदान को याद किया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन :

बुतरेबीसं, बिलासपुर में केन्द्रीय सतर्कता आयोग, भारत सरकार के आह्वान पर दिनांक 31.10.2022 से 06-11-2022 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। दिनांक 03-11-2022 को भ्रष्टाचार पर विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान आयोजित किए गए जिसमें डॉ क. सत्यनारायण, निदेशक केन्द्रीय तसर रेशमउत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान रांची ने "लोक प्रशासन में पारदर्शिता" विषय पर व्याख्यान दिया तथा उन्होंने सरकारी तंत्र में पारदर्शिता लाने के लिए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आग्रह किया। डॉ. वेणुगोपाल, निदेशक, बुनियादी तसर रेशम कीट बीज संगठन, बिलासपुर ने "सतर्कता जागरूकता दिशानिर्देशों का कार्यान्वयन" विषय पर व्याख्यान दिया तथा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से केन्द्रीय सतर्कता आयोग द्वारा जारी दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने हेतु आग्रह किया। इसी क्रम में डॉ. एन. बी. चौधरी, वैज्ञानिक – डी ने "भ्रष्टाचार मुक्त भारत – विकसित भारत" विषय पर व्याख्यान दिया तथा उन्होंने बताया कि भ्रष्टाचार रोकने में सूचना प्रौद्योगिकी की अहम भूमिका है। अतः सरकारी कार्यों में अधिक से अधिक सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग करना चाहिए।

संविधान दिवस का आयोजन :

दिनांक 26-11-2022 को संगठन कार्यालय में संविधान दिवस का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर संगठन कार्यालय, बुबीप्रवप्रके, बिलासपुर एवं रेशम तकनीकी सेवा केन्द्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संविधान की शपथ ग्रहण की। उक्त अवसर पर डॉ. एम. एस. राठौड़, वैज्ञानिक - डी ने संवैधानिक दायित्वों एवं अधिकारों के बारे में जानकारी दी।

राजभाषा पुरस्कार

केन्द्रीय कार्यालय द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर हिंदी माह 2022 के दौरान आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं में संगठन कार्यालय के श्री शेख मोहम्मद नजीर, उच्च श्रेणी लिपिक ने टिप्पण आलेखन में प्रथम तथा श्री उदय पोहकर, प्रक्षेत्र सहायक ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। तथा प्रशासनिक शब्दावली लेखन प्रतियोगिता में डॉ. प्रशांत कुमार कर, वैज्ञानिक-डी, बुबीप्रवप्रके, पाली ने प्रथम स्थान तथा श्री डी धर्मा रेड्डी, सहायक अधीक्षक(प्र) ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया है। संगठन कार्यलय के श्री शेख अब्दुल मतीन, सहायक अधीक्षक एवं श्री बुधराम यादव, उच्च श्रेणी लिपिक को नराकास, बिलासपुर द्वारा आयोजित टिप्पण लेखन प्रतियोगिता में क्रमशः प्रथम एवं तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर द्वारा दिनांक 20-05-2022 को सदस्य कार्यालयों के लिए आयोजित हिंदी कार्यशाला एवं सुमित्रानंदन पंत की जयंती पर आयोजित व्याख्यान प्रतियोगिता में संगठन कार्यालय से श्री पी. एस. लोधी, वरिष्ठ अनुवादक (हिंदी) ने भाग लिया तथा द्वितीय स्थान प्राप्त किया। साथ ही दिनांक 28.01.2023 को केन्द्रीय तसर रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, रांची द्वारा आयोजित राष्ट्रीय राजभाषा तकनीकी सेमीनार में राजभाषा सत्र में श्री पी. एस. लोधी, वरिष्ठ अनुवादक (हिंदी) ने शोध पत्र प्रस्तुत किया तथा प्रथम स्थान प्राप्त किया।

नराकास पुरस्कार प्राप्त करते हुए श्री शेख अब्दुल मतीन, सहा. अधीक्षक (प्र.)

नराकास पुरस्कार प्राप्त करते हुए श्री बुधराम यादव, उच्च श्रेणी लिपिक

नराकास पुरस्कार प्राप्त करते हुए श्री पी. एस. लोधी, वरि.अनुवादक (हिं)

सदस्य सचिव महोदय से प्रमाण-पत्र प्राप्त करते हुए
श्री पी. एस. लोधी, वरि.अनुवादक (हिं)

निःशुल्क दंत परीक्षण शिविर का आयोजन :

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, पेंडारी, बिलासपुर में दिनांक 26-09-2022 को होरिजन डेंटल कॉलेज एण्डं रिसर्च इंस्टीट्यूट, बिलासपुर द्वारा संगठन कार्यालय के कर्मचारियों एवं अधिकारियों हेतु निःशुल्क दंत परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय एकता दिवस :

संगठन कार्यालय में आज दिनांक 31-10-2022 को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस एवं 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में संगठन कार्यालय एवं बुबीप्रवप्रके, बिलासपुर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी भाग लिया।

शैक्षणिक द्वारा :

आसाम कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने संगठन कार्यालय का शैक्षणिक दौरा किया तथा संगठन कार्यालय में चल रही तसर उत्पादन संबंधी गतिविधियों का अवलोकन कर जानकारी प्राप्त की।

डॉ. ए. वेणुगोपाल ने बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन के निदेशक का पदभार ग्रहण किया।

डॉ. ए. वेणुगोपाल ने बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, पेंडारी, बिलासपुर के निदेशक के पद पर दिनांक 03.11.2022 को कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया। साथ ही उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से छत्तीसगढ़ राज्य में तसर रेशम के और अधिक विकास के लिए कार्य करने हेतु आग्रह किया ताकि देश में छत्तीसगढ़ तसर रेशम को अलग पहचान मिल सके। उक्त अवसर डॉ. क सत्यनारायण, निदेशक केतरेउअवप्रसं, रांची ने उन्हें बधाईयां दी तथा डॉ. एन. बी. चौधरी वैज्ञानिक – डी एवं अन्य वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत स्वागत किया तथा शुभकामनाएं दी।

रेशम दिवस का आयोजन

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, पेंडारी, बिलासपुर में दिनांक 20-09-2022 को डॉ. एन. बी. चौधरी, वैज्ञानिक – डी की अध्यक्षता में रेशम दिवस का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर उन्होंने संगठन कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को रेशम दिवस की शपथ दिलायी साथ ही उन्होंने बताया कि आज ही के दिन 20 सितम्बर,1948 को संसद में केन्द्रीय रेशम बोर्ड अधिनियम पारित करके देश के रेशम उत्पादकों, बुनकरों एवं रेशम उद्योग से जुड़े कामगारों के विकास हेतु इसकी स्थापना की गई थी। उन्होंने स्वतंत्र भारत के प्रथम वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री एवं केन्द्रीय रेशम बोर्ड के प्रथम अध्यक्ष स्व. डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन परिचय पर प्रकाश डालते हुए उनके कार्यों को याद किया तथा उनकी प्रतिमा पर माल्यापर्ण किया। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे रेशम दिवस को सभी रेशम उत्पादकों, कृषकों एवं इस क्षेत्र से जुड़े हुए बुनकरों आदि के मध्य प्रचारित करें ताकि उनको रेशम दिवस एवं रेशम बोर्ड के क्रियाकलापों के बारे में जागरूकता एवं जानकारी प्राप्त हो सकें।

तसर रेशम कृषि मेला का आयोजन

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, भरनी परसदा में दिनांक 02-02-2023 को डॉ. ए वेणुगोपाल निदेशक की अध्यक्षता में राज्य रेशम विभाग, ग्रामीण निदेशालय (रेशम प्रभाग), छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से 'आदिवासी आजीविका के लिए तसर' विषय पर तसर रेशम कृषि मेला का आयोजन किया गया।

उक्त अवसर पर श्री कुमार निशांत, आईएफएस एवं जिला वन अधिकारी, छत्तीसगढ़ सरकार, डॉ. बी. टी. श्रीनिवास, निदेशक (तकनीकी), केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बेंगलुरू, डॉ. राजेश बघेल, अपर संचालक, ग्रामीण उद्योग निदेशालय, (रेशम प्रभाग), छत्तीसगढ़ सरकार, डॉ. के. सत्यनारायण, निदेशक, केन्द्रीय तसर रेशमउत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, रांची, श्री श्रीराम मीना, संयुक्त संचालक, रेशमउत्पादन अनुसंधान, विकास एवं प्रशिक्षण, छत्तीसगढ़ सरकार एवं डॉ. आर. के. तिवारी, डीन, बीटीएएसएआरएस, बिलासपुर गणमान्य अतिथियों के रूप में उपस्थित रहें।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में डॉ. ए. वेणुगोपाल निदेशक ने उपस्थित गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस तरह के तसर रेशम कृषि मेला का आयोजन किसानों तक केन्द्र सरकार के कार्यक्रमों की जानकारी देने हेतु किए जाते हैं। आगे उन्होंने सभी किसानों को बताया कि बुतरेबीसं, कार्यालय अच्छी गुणवत्ता के रेशमकीटबीज की आपूर्ति करने हेतु प्रतिबद्ध है ताकि कृषकों को अधिक से अधिक आय उत्पन्न हो सके। साथ ही उन्होंने आदिवासी समुदायों की आजीविका के लिए तसर रेशम उत्पादन के महत्व पर जोर दिया।

इसी क्रम में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्री कुमार निशांत, भारतीय वन सेवा, वन खण्ड अधिकारी, छत्तीसगढ़ , सरकार ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकारों के द्वारा प्रदान की जा रही नई-नई रेशम उत्पादन संबंधी तकनीकों को अपनाएं तथा अपनी आय को बढ़ाएं साथ ही उन्होंने रेशम उत्पादन को आजीविका के साधन के रूप में अपनाने लिए आग्रह किया।

केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बेंगलुरू से उपस्थित हुए डॉ. बी. टी. श्रीनिवास, निदेशक (तकनीकी) ने सभी तसर उत्पादक कृषकों को बताया कि छत्तीसगढ़ देश में दूसरा सर्वाधिक कच्चा रेशम उत्पादन करने वाला राज्य है। उन्होंने राज्य सरकार के अधिकारियों से आग्रह किया कि वे सिल्क समग्र 2 के अंतगर्त अलग-अलग योजनाओं का लाभ उठायें तथा हितग्राही कृषकों को इसकी जानकारी उपलब्ध कराएं ताकि इसका अधिक से अधिक लाभ उठा सकें।

डॉ. राजेश बघेल, अपर संचालक, ग्रामीण उद्योग निदेशालय (रेशम) ने छत्तीसगढ़ी भाषा में कृषकों से संवाद किया तथा उनकी समस्यों को सुनकर उनका निदान किया। श्री श्रीराम मीना, संयुक्त संचालक, अनुसंधान, विकास एवं प्रशिक्षण, छत्तीसगढ़ सरकार ने रेशम उत्पादक कृषकों को प्रशिक्षण संबंधी जानकारी दी। डॉ. क सत्यनाराण निदेशक, केतरेउअनुवप्रसं, रांची ने बताया कि मान्यता प्राप्त समुदाय संसाधन व्यक्ति (सीआरपी) जो प्रशिक्षित एवं प्रमाणित है उनका गुणवत्ता बीज एवं बीज कोसा उत्पादन हेतु लाभ उठाएं। आगे उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे केतरेउअनुवप्रसं, रांची द्वारा तैयार की गयी तसर उत्पादन संबंधी प्रौद्योगिकियों को अपनाएं।

किसानों के लिए रेशमउत्पादन संबंधी वस्त्रों एवं उपकरणों की प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। साथ ही तसर किसानों को सूचना प्रदान करने के लिए किताबों एवं पैम्फलेट जैसी तकनीकी सामग्री का भी विमोचन किया तथा तसर रेशम उत्पादन की तकनीकी संबंधी वीडियों की सीडी का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम के दौरान, सर्वश्रेष्ठ तसर रेशम उत्पादन करने वाले 11 किसानों को गणमान्य अतिथियों के कर कमलों से प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों (सीआरपी) को भी प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

सदस्य सचिव महोदय, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बेंगलुरू का दौरा

दिनांक 05-01-2023 को श्री राजित रंजन ओखंडियर (आईएफएस), सदस्य सचिव केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, बेंगलुरू ने बुनियादी तसर रेशम कीट बीज संगठन, भरनी परसदा का दौरा किया। उक्त अवसर पर संगठन कार्यालय के डॉ. ए. वेणुगोपाल, निदेशक ने संगठन कार्यालय में चल रही तसर उत्पादन संबंधी विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान की तथा 10 राज्यों में स्थापित 17 बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्रों एवं केंद्रीय तसर रेशमकीट बीज केन्द्र की तसर उत्पादन, तसर बीज आपूर्ति आदि की समीक्षा की। उन्होंने जिला वन अधिकारी श्री कुमार निशांत को बुबीप्रवप्रके, बिलासपुर की गतिविधियों एवं रेशमउत्पादन को वन विभाग के साथ सामंजस्य स्थापित करने संबंधी चर्चा की तथा संगठन कार्यालय के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों से बैठक कर रेशम उत्पादन संबंधी समीक्षा की तथा भविष्य में रेशम उत्पादन को बढ़ाने के लिए आवश्यक सुझाव दिए।

राज्य रेशम विभाग, छत्तीसगढ़ सरकार के अधिकारियों से निदेशक महोदय की मुलाकात :

डॉ. ए. वेणुगोपाल, निदेशक ने राज्य रेशम विभाग, (डीओएस) छत्तीसगढ़ सरकार से केन्द्रीय रेशम बोर्ड की योजनाओं एवं तसर रेशमकीट बीज की आपूर्ति, मांग एवं कार्ययोजना आदि के संबंध में बाईं ओर से श्री आलोक शुक्ला, भाप्रसे,प्रधान सचिव (ग्रामीण उद्योग), छत्तीसगढ़ सरकार, रायपुर, श्री अरूण प्रसाद पी, आईएफएस,निदेशक डॉस, छ.ग., रायपुर, श्री अनिल कुमार राय,आईएफएस, अपर प्रबंध निदेशक, वन विभाग छ.ग. सरकार, रायपुर, एवं डॉ. राजेश बघेल, अपर संचालक से मुलाकात कर विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

अर्धवार्षिक समीक्षा बैठक का आयोजन :

दिनांक 13-12-2022 को डॉ. ए. वेणुगोपाल, निदेशक बुनियादी तसर रेशम कीट बीज संगठन, बिलासपुर की अध्यक्षता में बुबीप्रवप्रके, चिन्नूर में 18 अधीनस्थ इकाईयों की अर्धवार्षिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में निदेशक महोदय द्वारा अधीनस्थ इकाइयों के तसर रेशमकीट बीज उत्पादन, मांग, आपूर्ति संबंधी समीक्षा की तथा आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की। उक्त बैठक में डॉ. क. सत्यनारायण, निदेशक, केतरेउअनुवप्रसं, रांची ने भी सहभागिता की तथा तसर अनुसंधान संबंधी गतिविधियों के बारे में चर्चा की एवं प्रक्षेत्र में प्रयोग की जाने वाली तकनीकों के प्रयोग पर वैज्ञानिकों से जानकारी ली।

गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन :

बुतरेबीसं, कार्यालय के परिसर में दिनांक 26 जनवरी, 2023 को प्रातः 9 बजे से गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। डॉ. ए. वेणुगोपाल, निदेशक, बुतरेबीसं बिलासपुर ने झंडा वदंन किया तथा गणतंत्र दिवस के अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित किया। कार्यक्रम में बुतरेबीसं, बिलासपुर, बुबीप्रवप्रके, बिलासपुर एवं रेशम तकनीकी सेवा केन्द्र, केरेप्रौअसं, बिलासपुर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

स्वतंत्रता दिवस का आयोजन :

संगठन कार्यालय में दिनांक 15-08-2022 को डॉ एन. बी. चौधरी, वैज्ञानिक - डी की अध्यक्षता में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर कार्यालय परिसर में झंडा वंदन किया गया तथा कार्यालय प्रभारी द्वारा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी।

स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन :

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन बिलासपुर में दिनांक 01-03-2023 से 15-03-2023 तक स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कार्यालय परिसर एवं अपने आस पास के वातावरण में साफ सफाई रखने का आग्रह किया। तथा पखवाड़े के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में अपनी सक्रिय सहभागिता बनाए रखने हेतु निर्देश दिया।

तकनीकी अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन :

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, बिलासपुर में डॉ. क. सत्यनारायण, निदेशक की अध्यक्षता में दिनांक 11-08-2022 को तकनीकी अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रारंभ में डॉ. एन. बी. चौधरी, वैज्ञानिक – डी ने निदेशक महोदय एवं उपस्थित वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागत किया। अध्यक्षीय संबोधन के दौरान निदेशक महोदय ने उपस्थित सभी वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों को तकनीकी उन्मुखीकरण कार्यक्रम के उद्देश्य एवं संगठन कार्यालय में इसकी उपयोगिता के बारे में बताया। प्रथम सत्र में श्रीमती जैसमीन जोई, वरिष्ठ प्रशिक्षक, डॉ. रेड्डी फाउंडेशन बिलासपुर ने कार्यस्थल पर तनाव प्रबंधन विषय पर व्याख्यान दिया एवं तनाव को दूर करने संबंधी उपायों को बताया तथा कुछ रोचक क्रिया-कलापों के माध्यम से तनाव को दूर करना बताया।

अधीनस्थ केन्द्रों की संक्षिप्त रिपोर्ट

बु.बी.प्र.व प्र.के., चिन्नूर :

जागरूकता कार्यशाला : दिनांक 14-12-2022 को बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, चिन्नूर में डॉ. ए. वेणुगोपाल निदेशक, बुतरेबीसं, बिलासपुर की अध्यक्षता में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर उन्होंने सभी प्रतिभागियों को जागरूकता कार्यशाला के महत्त्व एवं उद्देश्य के बारे में जानकारी दी।

बु.बी.प्र.व प्र.के., पाली :

दिनांक 30.11.2022 को बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, बिलासपुर द्वारा प्रायोजित एवं बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, पाली द्वारा आयोजित तसर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संगठन कार्यालय के निदेशक डॉ. ए. वेणुगोपाल रहे। कार्यशाला में संगठन कार्यालय के वैज्ञानिकों के अलावा इस केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. प्रशांत कुमार कर, अनुसंधान प्रसार केन्द्र- सिवनी-चांपा के वैज्ञानिक डॉ. दिनेश कुमार, छत्तीसगढ़ राज्य रेशम संचालनालय से सहायक संचालक रेशम (मुख्यालय) सुश्री रोली शुक्ला, सहायक सांख्यिकीय अधिकारी(मुख्यालय) रायपुर श्री डी.के. बांगरे के अलावा छत्तीसगढ़ के 16 जिलों के फील्ड आफीसर रेशम, कटघोरा एवं पाली क्षेत्र के वन अधिकारी एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, कटघोरा के विषय विशेषज्ञों सहित कुल 72 अधिकारी/ कर्मचारियों ने भाग लिया।

बु.बी.प्र.व प्र.के., बालाघाटः

बुबीप्रवप्रके, बालाघाट में दिनांक 30-01-2023 को डॉ. बावस्कर दत्ता मदन, वैज्ञानिक-सी की अध्यक्षता में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति बालाघाट की छमाही बैठक का आयोजन किया गया तथा नराकास, बालाघाट के अंतर्गत श्रेष्ठ राजभाषा कार्यान्वयन करने वाले कार्यालय को राजभाषा शील्ड प्रदान की गई।

बु.बी.प्र.व प्र.के., अंबिकापुर :

डॉ. ए. वेणुगोपाल, निदेशक ने दिनांक 30-11-2022 को बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र अंबिकापुर का दौरा किया तथा उक्त केन्द्र में चल रही तसर रेशमउत्पादन संबंधी तकनीकी गतिविधियों की जानकारी ली।

बु.बी.प्र.व प्र.के., भंडारा :

दिनांक 27-02-2023 को डॉ. एन. बी. चौधरी, वैज्ञानिक – डी की अध्यक्षता में बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र भंडारा एवं बालाघाट द्वारा महाराष्ट्र एवं मध्य प्रदेश के राज्य रेशम विभाग के कर्मचारियों के लिए संयुक्त रूप से जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

बु.बी.प्र.व प्र.के., खरसवां :

डॉ. ए. वेणुगोपाल, निदेशक महोदय ने दिनांक 27-11-2022 को बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र खरसवां का दौरा किया तथा उक्त केन्द्र में चल रही तसर रेशमउत्पादन संबंधी तकनीकी गतिविधियों की जानकारी ली।

बु.बी.प्र.व प्र.के., बोइरदादर

ऑल इंडिया रेडियो, रायगढ़ द्वारा ग्राम-जैमुरा, जिला- रायगढ़ (छ.ग.)में दिनांक 15.02.2023 को ''किसान दिवस'' का आयोजन किया गया जिसमें इस केन्द्र के श्री भागीरथी पटेल, वरि. तक. सहा. ने तसर कीटपालन करके अतिरिक्त आय अर्जित करने संबंधित जानकारी एवं केन्द्रीय रेशम बोर्ड द्वारा आयोजित प्रशिक्षण की विस्तृत जानकारी दी।

रिपोर्टः श्री मुरलीधर देवांगन, वरिष्ठ तकनीकी सहायक, बुबीप्रवप्रके, बोइरदादर

बु.बी.प्र.व प्र.के., बारीपदा :

बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, बारीपदा में दिनांक 15-02-2023 को दक्षता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर केन्द्र प्रभारी डॉ. मनोजा पटनायक, वैज्ञानिक – डी ने दक्षता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी तथा तसर रेशम कीट बीज उत्पादन में प्रशिक्षण की महत्ता पर प्रकाश डाला।

मीडिया कवरेज

प्रकाशनाधीन अवधि में संगठन कार्यालय एवं अधीनस्थ इकाइयों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों को स्थानीय अखबारों में प्रकाशित किया गया जिसका विवरण निम्नानुसार है।

इवेंट गैलरी

रेशम कीट बीज संगठन बिलासपुर को प्रथम पुरस्कार

बिलासपुर (नईदुनिया न्यूज)। राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा रायपुर में मध्य एवं पश्चिम क्षेत्रों के लिए क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन एवं केंद्र सरकार के कार्यालयों द्वारा वर्ष 2020-21 एवं 21-22 में राजभाषा कार्यान्वयन क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य गृह मंत्री अजय कुमार मिश्रा रहे। कार्यक्रम में बुनियादी तसर रेशम कीट बीज संगठन बिलासपुर को 2021-22 के लिए प्रथम एवं वर्ष 2020 21 के लिए द्वतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। वहीं संगठन कार्यालय की अधीनस्थ इकाई बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, पाली को वर्ष 2020-21 के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। इस दौरान संगठन कार्यालय निदेशक डा. ए वेणुगोपाल ने कार्यालय की इस उपलब्धि के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कार्यों की सराहना की। साथ ही बताया कि संगठन कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन का कार्य अच्छी तरह से किया जा रहा है। उन्होंने आगे भी राजभाषा कार्यान्वयन में अपना योगदान देने कहा। इस दौरान डा. वेणुगोपाल, निदेशक ने राजभाषा शील्ड एवं पीएस लोधी वरिष्ठ अनुवादक हिंदी ने प्रमाणपत्र प्राप्त किया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, जोनल मुख्यालय के सभा कक्ष में राजभाषा सम्मेलन 2023 एवं काव्य संध्या का आयोजन

केंद्रीय रेशम बोर्ड सदस्य सचिव ने भरनी परसदा स्थित कार्यालय का किया दौरा

केंद्रीय राजभाषा पुरस्कार से सम्मानित होंगे डॉ. वेणुगोपाल

कर्मचारियों ने हिंदी में ई-मेल लिखना व पीपीटी बनाना सीखा

क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में बुनियादी टसर रेशम कीट बीज संगठन को मिला प्रथम पुरस्कार

सर्वश्रेष्ठ तसर रेशम उत्पादन करने वाले 11 किसानों का सम्मान किया गया

तसर को बढ़ावा दे रहा सिल्क बोर्ड

हिंदी के प्रयोग से हमारी संस्कृति अक्षुण्ण बनी रहेगी: डॉ. चौधरी

आदिवासी समुदायों की आजीविका के लिए तसर रेशम उत्पादन के महत्व पर दिया जोर

तसर कृषक उत्पादन की गुणवत्ता में वृद्धि करें : वैज्ञानिक

सेंट्रल सिल्क बोर्ड बिलासपुर के निदेशक ने किया बीसामटीबी खरसावां का दौरा, तसर गतिविधियों की ली जानकारी

झारखंड में तसर उत्पादन में आएगी एक नई क्रांति : वेणुगोपाल

सर्वश्रेष्ठ तसर रेशम उत्पादन करने वाले 11 किसानों का सम्मान किया गया

मॉयल विश्राम गृह में नगर राजभाषा समिति की छमाही बैठक आयोजित

मधुपुर प्रखंड क्षेत्र के सैकड़ों किसान और बेरोजगार युवक कर रहे हैं तसर कीट का पालन

कोकुन पाल कर बेरोजगार युवक व किसान बढ़ा रहे आय

कोकुन बेच कर 45 हजार की हुई अतिरिक्त कमाई

राजभाषा में उत्कृष्ट कार्य पर सम्मान

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, बिलासपुर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छ भारत मिशन अभियान के अंतर्गत स्वच्छता रखने हेतु प्रोत्साहित करता है।

© प्रकाशकः निदेशक, बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन,
केन्द्रीय रेशम बोर्ड (वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार), प्रथम तल, पेण्डारी, पोस्ट ऑफिस- भरनी, व्हाया- गनियारी,
बिलासपुर-495112 (छत्तीसगढ़), दूरभाषः 07752-291738, 291735 फैक्स : 07752-291735
ई-मेलः btssobil.csb@nic.in, वेबसाइट : www.btsso.org